C. S. (Main) Exam : 2012

Sl.]

E–DTN–M–JMD–10

MAITHILI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt ALL questions.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in Maithili (Devanagari Script), unless otherwise directed.

Prescribed word limit must be followed for Question No. 3. The précis must be attempted *only* on the special précis sheets provided separately. These précis sheets are to be securely attached to the answer-book.

Important Note

Whenever a question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous question attempted. This is to be strictly followed.

Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink. Any answers that follow pages left blank may not be given credit.

1. निम्नलिखित विषयमेसँ कोनो **एक** विषय पर लगभग *300* शब्दमे निबन्ध लिखू : 100

(क) भारत : व्यापारिक विकासक एक बढ़ैत क्षेत्र

(ख) हमर महानगर महिला सभक लेल कतेक सुरक्षित अछि?

(ग) वन-जीवक संरक्षण ओ प्रबन्धन

(घ) भारतमे व्यावसायिक शिक्षा

(ङ) फिल्मक मिथकीय संसार

2. निम्नलिखित गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि गद्यांशक अन्तमे देल प्रश्नक उत्तर लिखू। उत्तर स्पष्ट, सटीक आ संक्षिप्त भाषामे होएवाक चाही : 10×6=60

पाठकक बहुसंख्या या त' क्षणिक मनोरंजनक लेल पढ़ैत अछि या फेर ओहि विश्रान्तिक लेल जे पुस्तक हुनका प्रदान करैत छनि। दोसर शब्दमे ओ सामान्यतः समयकटबाक लेल पुस्तक पढ़ैत छथि। समय जेना कि हमेशा आँकल जाइत अछि एक विरल वेशकीमती खजाना अछि। एहि वेशकीमती खजानाकेँ पाठकगण व्यर्थमे खर्च कए दैत छथि। अविश्वसनीय सन लगैत अछि कि समय वा काल पाठकक उपर बहुत भारीपनसँ लादल रहैत अछि आओर फेर ओ खोज कए पबैत छथि। समयक ओहि अतिरिक्त बोझसँ छुटकाराक, जकर हुनका आवश्यकता छनि, ई पुस्तके दिआ सकैत अछि। एतेक त' पर्याप्त स्पष्ट अछि जे ओ कोनो दोसर प्रयोजनक हेतु नहि पढ़ि सकताह। यदि ओ एहन करताह त' ओहि पढ़बसँ हुनका अपना लेल किछु हासिल भए सकैत छनि। मुदा एहन कोनो संकेत नहि अछि कि पढ़बाक कोनो अन्य प्रयोजन हो। पढ़लासँ हुनका पर किछु प्रभाव अवश्य पड़ैत होएतनि मुदा ओहि प्रभावक सम्बन्धमे ओ अनभिज्ञ छथि। प्रभाव लाभप्रद भए सकैत अछि, निर्णायक भए सकैत अछि—ई निष्कर्ष हम नहि बहार कए सकैत छी, एकर प्रमाण इएह अछि जे पढ़बाक कारणेँ ओ

अपना संग कोनो एहेन वस्तु नहि लए जएताह जे बादमे कहि सकथि जे हुनकालोकनि अमुक चीज पढ़ने छथि।

(क) लोकक द्वारा पुस्तक सभ पढ़बाक कारणक सम्बन्धमे लेखक की कहैत छथि? अधिकांश लोक पोथी कियैक पढ़ैत छथि?

(ख) लेखक एहेन कियैक अनुभव करैत छथि जे पाठक अपन समयक मूल्यक आकलन नहि करैत छथि?

(ग) एहि तथ्यक संकेत की अछि जे पाठकक समयक सही उपयोग नहि भेल?

(घ) पढ़ब समाप्त कएलाक उपरान्त लेखकक की अपेक्षा छनि जे पाठकगण की करथि?

(ङ) असजग पढ़बाक प्रति लेखकक प्रतिकूल दृष्टिकोण कियैक छनि?

(च) लेखक केहन लक्ष्यक पाठक चाहैत छथि?

3. निम्नलिखित गद्यांशक संक्षेपण मूल गद्यांशक शब्द संख्यासँ एक-तिहाई शब्द संख्यामे प्रस्तुत करू। शब्दसीमाक अन्तर्गत संक्षेपण नहि कएल गेला पर अंक काटल जा सकैत अछि। संक्षेपण फराकसँ देल गेल कागज पर करू आ ओकरा नीक जकाँ उत्तर-पुस्तिकाक संग बान्हि लिअ : 60

पानि पृथ्वीक धरातलीय क्षेत्रक 70% भागमे सामान्य रूपसँ पर्याप्त मात्रामे पाओल जाय वला पदार्थ अछि। वैश्विक पानिक उपलब्धि 1·386 बिलियन क्यूबिक किलोमीटर अछि जाहिमेसँ 97% नुनगर पानि अछि आओर मानव उपयोगक हेतु उपयुक्त नहि अछि। शेष मात्र 3% पानि स्वच्छ ओ पीबाक योग्य अछि। मुदा ओकर 68·5% पानि ग्लेशियरक हिमशीर्ष ओ शाश्वत बर्फमे अछि जे मानव उपयोगक हेतु उपलब्ध नहि अछि। लगभग 30% धरातलीय पानि अछि जकर 0·9% नदी, झरना ओ

झीलमे अछि। हम अधिकांशतः 70 क्यूबिक किलोमीटर स्वच्छ पानि पर प्रतिदिन निर्भर करैत छी जे हमरा नदी, झरना आ झीलक अन्तःस्रोतसँ प्राप्त होइत अछि ओ प्रतिदिन 70 क्यूबिक किलोमीटर पानि भूगर्भ मध्यस्थ जलाधार होइत बहैत अछि। एहि प्रकारक सुविधा आदिकालसँ निरन्तर प्राप्त भए रहल अछि। मुदा पछिला किछु दशकसँ खासकए घरेलू आवश्यकता, खेती ओ औद्योगिक गतिविधिक कारणेँ पानिक माँग तेजीसँ बढ़ैत जा रहल अछि। 1940 मे जखन संसारक जनसंख्या 2 बिलियन छल, प्रतिवर्ष पानिक आमद प्रतिव्यक्ति 1000 क्यूबिक मीटर धरि सीमित छल। 2000 धरि जनसंख्या 6 बिलियनक आँकड़ा पार कए गेल छल आओर प्रतिव्यक्ति प्रतिवर्ष खपत 6000 क्यूबिक मीटर बढ़ि गेल जाहिसँ जलप्राप्तिक संसाधन पर अतिरिक्त दबाव पड़ए लागल, खासकए सघन जनसंख्या वला क्षेत्र आ ओहि स्थान पर जाहिठाम पानि बहुत कम अछि। कृषि 70%, औद्योगिक क्षेत्र 22% आ घरेलू क्षेत्र 8% पानिक खपतक आँकड़ा दर्ज करैत अछि। स्वच्छ जल विश्वक जनसंख्याकेँ तेजीसँ बढ़ए आ पीबा योग्य पानिक माँग बढ़एक कारण अप्राप्त संसाधन बनए जा रहल अछि। प्रतिवर्ष कुल उपलब्ध पानिक आधा हिस्सा प्रयोगमे आबि रहल अछि। ई 2050 धरिक जनसंख्याक माँग बढ़लाक कारणेँ 74% धरि बढ़ि सकैत अछि। जँ सभ स्थानक लोक सामान्य अमेरिकावासी जकाँ पानिक खर्च करए लगताह जे पानिक खर्चक सम्बन्धमे जे अपने अधिक खाउलोक छथि, तखन उपयोग 90% बढ़ि सकैत अछि।

स्वच्छ जलकेँ रेखांकित करए वला पक्ष ई अछि जे ओकर उपलब्धता सम्पूर्ण संसारमे समान रूपसँ विभाजित नहि अछि। पानिक भरपूर स्रोतक अनेक देश अछि संगहि पानिक उपलब्धताक लेल अनेक गरीब देश सेहो अछि। प्रतिवर्ष प्रतिव्यक्ति उपलब्धता यदि ग्रीनलैण्डमे 10767 मिलियन क्यूबिक मीटर अछि त' कुवैतमे ओ मात्र 10 क्यूबिक मीटर अछि। भारतमे 1951 मे प्रतिवर्ष प्रतिव्यक्ति पानिक उपलब्धता 5177 क्यूबिक मीटर

छल जे 2001 मे घटि कए 1820 क्यूबिक मीटर रहि गेल अछि। 2001 मे त' भारत गरीब देशक श्रेणीमे आबि गेल छल। 2025 धरि प्रतिवर्ष प्रतिव्यक्ति खपत 1340 क्यूबिक मीटर धरि घटिकए आबि जएतैक।

विश्वक अनेक पैघ ओ ओकर सहायक नदी सभ एकसँ अधिक देशक बीचसँ बहैत अछि। उदाहरणक लेल गंगा आ ओकर सहायक नदी नेपाल, भारत आ बंगलादेश होइत बहैत अछि। सिन्ध ओ ओकर सहायक नदी सभ त' भारत आ पाकिस्तान होइत बहैत अछि। देन्यूब जाहिठाम जर्मनीसँ बहार होइत अछि अस्ट्रिया, स्लोवाकिया, हंगरी, क्रोएशिया, सर्बिया, रोमानिया, बल्गारिया, माल्देविया ओ यूक्रेन भए बहैत अछि। जाम्बेजी नदी जाम्बिया, अंगोला, नामेबिया, बोट्सवाना, जिम्बावे आ मोजाम्बीक भ' कए बहैत अछि। मिस्रक जीवनधारा नीलक उद्गम आठ देशमे अछि— सूडान, इथियोपिया, केन्या, रवांडा, बुरूण्डी, युगाण्डा, तंजानिया आ जायरे। जखन कोनो एक नदी एकसँ अधिक देश भए बहैत अछि तखन अनेक विवाद जन्म लैत अछि। एहेन विवाद ईसापूर्व 3000 वर्षसँ दक्षिण आ मध्यएसिया, मध्ययूरोप तथा मध्यपूर्वक क्षेत्रमे उठैत अछि। कृषि, उद्योग आ घरेलू उपयोगक हेतु पानिक माँग बढ़िते जा रहल अछि। एहिसँ सम्बन्धित विवाद सेहो गम्भीर स्थितिक जन्म दैत अछि आ कखनो काल कए ई आक्रामक रूप ग्रहण कए लैत अछि।

एकहि देशमे बहए वाली नदी सभक पानिक हिस्सा-बखरामे स्थानीय आ क्षेत्रीय स्तर पर संवेदनशील समस्या अछि। गौतम बुद्ध (563–483 ईसापूर्व) के शाक्य ओ कोटिया सभक बीच रोहिणी नदीक पानिक हिस्सेदारीक हेतु हस्तक्षेप करए पड़ल छलनि।

4. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यांशक अनुवाद मैथिलीमे करू : 20

I remember my father starting his day at 4 a.m. by reading the namaz before dawn. After the namaz, he used to walk down to a small coconut grove we owned, about 4 miles from our home. He would return, with about a dozen coconuts tied together thrown over his shoulder, and only then would he have his breakfast. This remained his routine even when he was in his late sixties.

I have throughout my life tried to emulate my father in my own world of science and technology. I have endeavoured to understand the fundamental truths revealed to me by my father, and feel convinced that there exists a divine power that can lift one up from confusion, misery, melancholy and failure, and guide one to one's true place. And once an individual severs his emotional and physical bondage, he is on the road to freedom, happiness and peace of mind.

5. निम्नलिखित मैथिली गद्यांशक अनुवाद अंग्रेजीमे करू : 20

अस्पतालक उदय अत्यन्त प्राचीन समयमे भेल होएत, ईसाई काल-गणनासँ बहुत पूर्व, एहि तथ्यमे एहन मानल जाइत अछि जे अस्पतालक उदय यूनान, मिस्र आ भारतमे भेल। विश्वक अनेक देशमे आब अनेक पैघ सर्वरोगोपचारी अस्पताल अछि जाहिठाम सभ प्रकारक समस्या पर ध्यान देल जाइत अछि आ ओहिठाम सभ प्रकारक प्रशिक्षण एवं शोधक साधन उपलब्ध अछि। आब त' छोट-पैघ अनेक महत्त्वपूर्ण संस्था सभ अछि जे विशेष

प्रकारक बीमारी सभक कारगर उपचार करैत अछि। किछुएक त' स्वयंकेँ बच्चा आ स्त्रीक लेल समर्पित कएने अछि। ब्रिटेन आ संयुक्त राष्ट्र अमेरिकामे त' अस्पतालमे रोगोपचारक हेतु राज्य वा नगर निकाय सहयोग राशि प्रदान करैत अछि। एहन प्रकारक पद्धतिसँ नहि मात्र कार्य होइत बाधा दूर भेल भेल अछि अपितु वित्तीय कठिनाईकेँ कएल गेल अछि जे सम्पूर्ण समुदायक कष्ट निवारण कएलक अछि। एहिसँ उर्जाक सदुपयोग सम्भव भए सकल अछि। संगहि एहि विधि द्वारा एक प्राणहीन, यांत्रिक, आत्मविहीन दिनचर्या एवं कार्य-कुशलताक घटैत स्तर संकटकेँ कम कएल जा सकैत अछि जे उर्जस्वी आलोचना आ बेकारखर्च पर लगाम नहि लगौल जएवाक कारणेँ बढ़ैत अछि।

6. (क) समास ककरा कहल जाइत अछि? समासक भेद सोदाहरण स्पष्ट करू। 10

(ख) निम्नलिखित शब्दमेसँ कोनो **पाँचक** विपरीतार्थक शब्द लिखू : 2×5=10

(i) चिरंतन

(ii) तामसिक

(iii) आयात

(iv) संधि

(v) कनिष्ठ

(vi) प्रसारण

(vii) अनुग्रह

(viii) अभिज्ञा

(ix) नश्वर

(x) सुदूर

(ग) निम्नलिखित मोहावरा ओ लोकोक्तिमेसँ कोनो **पाँचक** अर्थ स्पष्ट करैत वाक्यमे प्रयोग करू : 4×5=20

(i) आगिमे घी ढारब

(ii) पैरमे तेल लगाकए सूतब

(iii) ठेला पड़ब

(iv) बावन हाथक अतड़ी

(v) लंका छोट हाथ उनचास

(vi) अस्सी मोन पानि पड़ब

(vii) बिनु पेनक लोटा

(viii) कागजी घोड़ा दौड़ाएब

(ix) बाड़ीक पटुआ तीत

(x) फूलिकए तुम्मा होएब

★ ★ ★